पुलिस की छवि बदलने में जुटा है पूर्व कमांडेंट अरीदमन जीत

मुहिम

पुलिस एक्ट में बदलाव के लिए चलाया अभियान

ब्रिटेन व जर्मनी के विशेषज्ञों को भी लिया साथ

धर्मवीर

अंबाला। कभी थर्ड डिग्री में माहिर रहे एक कमांडेंट का खाकी से मोहभंग हो गया हैं। शायद यही कारण है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का पद छोड़कर वह पुलिस की छवि बदलने में जुट गया। बीएसएफ के पूर्व कमांडेंट व नाटो सेनाओं के ट्रेनर अरीदमन जीत सिंह पंजाब में आतंकवाद के समय पंजाब पुलिस से संबद्ध रहे। उन्होंने नौकरी से त्याग पत्र देकर निशान नाम से एक गैर सरकारी संगठन बनाया। उन्होंने लंबे समय से पुलिस में जड़ जमाए बैठी अलोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में अध्ययन व जनमत बनाने का काम शुरू किया। इसके लिए अरीदमन जीत सिंह ने विदेशों की पुलिस का भी अध्ययन किया। आज अंबाला में अरीदमन जीत सिंह के साथ तीन विदेशी स्कोलर भी आए हुए थे। ब्रिटेन निवासी टुवाइस सैफर्ड, उनकी पत्नी जेनिफर सैफर्ड व जर्मनी के थॉमस भी उनके संगठन के साथ भारतीय पुलिस व्यवस्था के अध्ययन पर आए हुए हैं। अरीदमनजीत ने बताया कि अब तक पुलिस 1858 के एक्ट पर चल रही है। आज इस एक्ट में बदलाव की सख्त जरूरत है। अरीदमन जीत सिंह ने उन्होंने बताया कि पुलिस एक्ट में बदलाव के लिए वे प्रदेश के सभी दस लोकसभा क्षेत्रों में जाकर वहां के सांसदों व विधायकों से सुझाव ले रहे हैं। इसी सिलसिले में उन्होने आज छावनी विधायक अनिल विज से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वे सभी जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने के बाद गहन अध्ययन करेंगे और उसके बाद एक जनहित याचिका दायर की जाएगी।

अंबाला। पुलिस के लोकतांत्रिकरण पर जानकारी देते अरीदमन जीत सिंह। साथ में है विदेशी प्रतिनिधिमंडल। फोटो : हरिभूमि